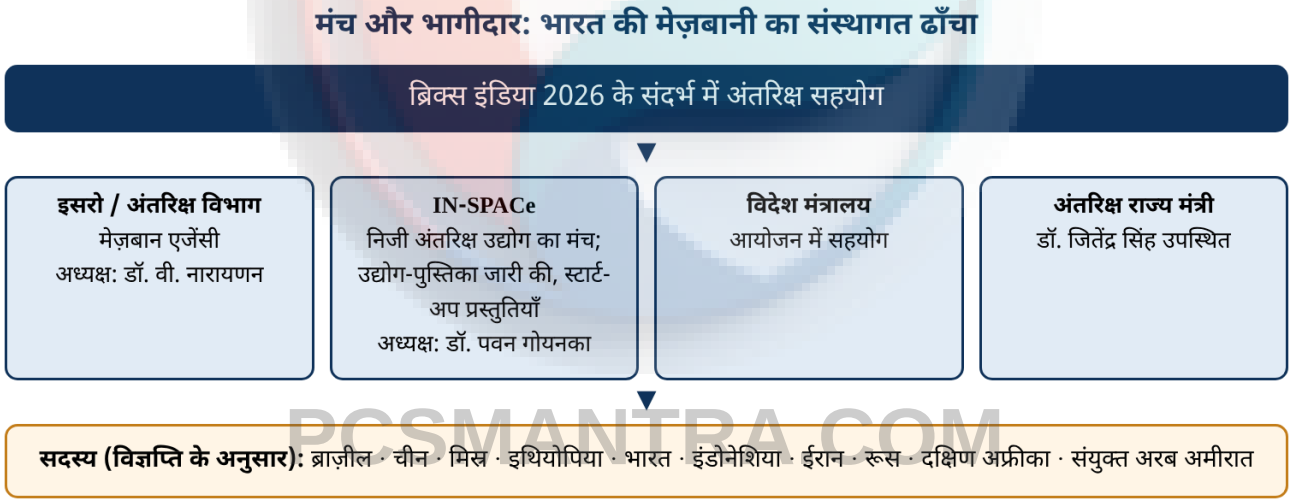
ब्रिक्स अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुखों की बेंगलुरु बैठक: रिमोट सेंसिंग तारामंडल, अंतरिक्ष परिषद और अंतरिक्ष की स्थिरता

समाचार-संदर्भ तिथि: 23-24 जून 2026 | **प्रकाशन तिथि:** 19 अक्टूबर 2026
पाठ्यक्रम: GS-2 (अंतरराष्ट्रीय संबंध, समूह व मंच), GS-3 (विज्ञान-प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष) | **प्रारंभिक परीक्षा:** आयोजन-स्थल, तिथि, सदस्य, संस्थाएँ

खबरों में क्यों

23 और 24 जून 2026 को बेंगलुरु में ब्रिक्स देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक (BRICS Heads of Space Agencies, HOSA) हुई। इसकी मेज़बानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अंतरिक्ष विभाग ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से की। इसरो की 24 जून की विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में ब्राज़ील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात की अंतरिक्ष एजेंसियों के प्रमुख तथा वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए।

बैठक में केंद्रीय अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, इसरो अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और IN-SPACe के अध्यक्ष डॉ. पवन गोयनका उपस्थित थे।



PCSMANTRA.COM

चित्र 1: बैठक के आयोजक, उपस्थित संस्थाएँ और सदस्य (स्रोत: इसरो विज्ञप्ति के आधार पर मौलिक आरेख)
चित्र के अक्षर छोटे दिखें तो चित्र को छूकर बड़ा खोलें और ज़ूम करें।

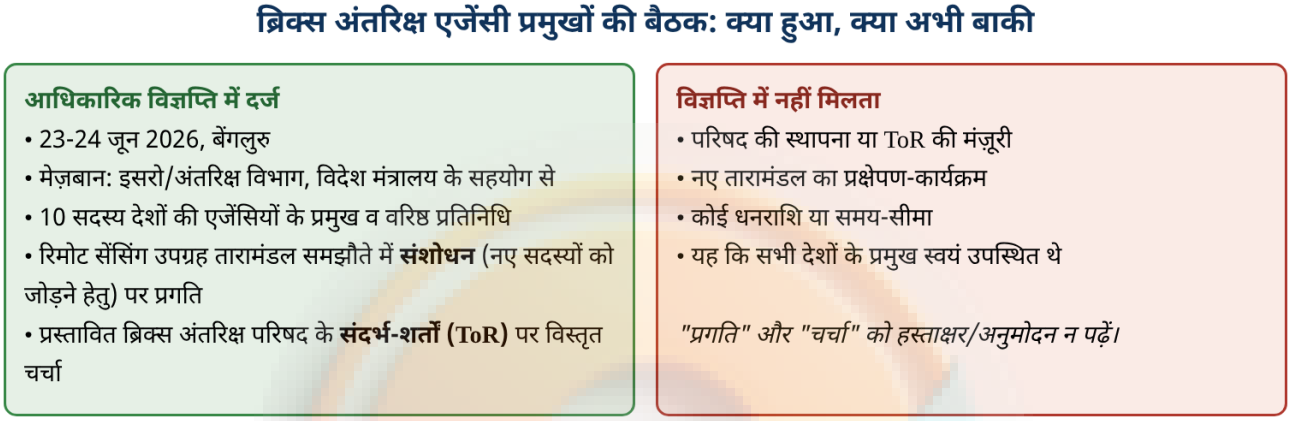
विज्ञप्ति के तीन ठोस बिंदु

1. सहयोग के क्षेत्र। प्रतिनिधिमंडलों ने इस पर चर्चा की कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से वैश्विक चुनौतियों, विशेषकर रिमोट सेंसिंग, आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर, ब्रिक्स सहयोग कितना उपयोगी हो सकता है। बैठक में बाहरी अंतरिक्ष के शांतिपूर्ण अन्वेषण व उपयोग में अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता पर ज़ोर दिया गया।

2. ढाँचागत प्रगति। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में अंतरिक्ष सहयोग के संरचनात्मक और संचालनात्मक ढाँचे पर उल्लेखनीय प्रगति हुई, जिसमें "ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग उपग्रह तारामंडल समझौते" में नए ब्रिक्स सदस्यों को शामिल करने के लिए संशोधन भी है।

3. प्रस्तावित अंतरिक्ष परिषद। प्रस्तावित "ब्रिक्स अंतरिक्ष परिषद" के संदर्भ-शर्तों (Terms of Reference) पर विस्तार से चर्चा हुई।

इसके अलावा IN-SPACe ने भारतीय अंतरिक्ष उद्योग पर एक पुस्तिका जारी की, स्टार्ट-अप और उद्योगों की प्रस्तुतियाँ करवाईं, और प्रतिनिधिमंडलों ने निजी उद्योगों की सुविधाओं का दौरा किया।



चित्र 2: आधिकारिक विज्ञप्ति में क्या दर्ज है और क्या नहीं (मौलिक आरेख)
चित्र के अक्षर छोटे दिखें तो चित्र को छूकर बड़ा खोलें और ज़ूम करें।

शब्दों को सही पढ़ना: "प्रगति" और "अनुमोदन" का फ़र्क

परीक्षा में अक्सर एक छोटी भाषा-चूक पूरा विकल्प गलत कर देती है। यहाँ तीन भेद याद रखें।

विज्ञप्ति में शब्द	सही अर्थ	विज्ञप्ति क्या स्थापित नहीं करती
समझौते में संशोधन पर "प्रगति"	नए सदस्यों को जोड़ने की दिशा में बातचीत आगे बढ़ी	संशोधन पर हस्ताक्षर या उसका लागू होना (इसका उल्लेख विज्ञप्ति में नहीं)
अंतरिक्ष परिषद के ToR पर "विस्तृत चर्चा"	प्रस्तावित परिषद के नियम-ढाँचे पर विचार हुआ	परिषद की स्थापना या ToR की मंज़ूरी (इसका उल्लेख नहीं)
"सफलतापूर्वक संपन्न"	यह आयोजक (भारत) की अपनी भाषा है	सभी देशों की सहमति या ठोस नतीजे (विज्ञप्ति में ऐसा विवरण नहीं)

PCSMANTRA.COM

इसी तरह, विज्ञप्ति में तारामंडल का प्रक्षेपण-कार्यक्रम, धनराशि या कोई समय-सीमा नहीं दी गई है। इनके बारे में कुछ भी लिखना अनुमान होगा। यह भी ध्यान रखें कि विज्ञप्ति "प्रमुखों और वरिष्ठ प्रतिनिधियों" की बात करती है, यानी यह नहीं कहा गया कि हर देश की एजेंसी का प्रमुख स्वयं मौजूद था।

अवधारणा: रिमोट सेंसिंग तारामंडल का विचार क्यों

रिमोट सेंसिंग का अर्थ है दूर से, उपग्रह के सेंसरों द्वारा पृथ्वी की सतह की जानकारी जुटाना, जैसे बाढ़ का फैलाव, फसल की स्थिति, वन-क्षेत्र या तटरेखा में बदलाव। एक अकेला उपग्रह पृथ्वी की परिक्रमा करते हुए किसी स्थान के

ऊपर से कुछ अंतराल पर ही गुज़रता है। कई उपग्रह मिलकर एक "तारामंडल" (constellation) बनाएँ तो किसी जगह की तस्वीर अधिक बार मिल सकती है। आपदा प्रबंधन में यही आवृत्ति काम आती है। अलग-अलग देशों के उपग्रहों का आँकड़ा साझा हो तो हर देश को अकेले पूरा तंत्र नहीं खड़ा करना पड़ता। विज्ञप्ति इस तर्क को इतने शब्दों में नहीं समझाती, पर आपदा, जलवायु और रिमोट सेंसिंग को एक साथ रखकर यही दिशा दिखाती है। इसे परीक्षा में "सहयोग का संभावित लाभ" के रूप में लिखें, "घोषित योजना" के रूप में नहीं।

मौजूदा समझौते में संशोधन का प्रयोजन भी विज्ञप्ति में स्पष्ट है: नए ब्रिक्स सदस्यों को उसमें शामिल करना। सदस्यता के विस्तार के बाद समूह के पुराने ढाँचों को नए सदस्यों के अनुरूप ढालने की यह एक व्यावहारिक कसरत है।

अंतरिक्ष की दीर्घकालिक स्थिरता

"अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता" का सरल भाव है कि कक्षाओं और अंतरिक्ष-पर्यावरण का उपयोग इस तरह हो कि आने वाली पीढ़ियाँ भी उसका सुरक्षित उपयोग कर सकें। विज्ञप्ति इस पर ज़ोर तो देती है, पर किसी नए नियम, मानक या प्रतिबद्धता का नाम नहीं लेती। उत्तर लिखते समय इसे एक साझा प्राथमिकता के रूप में रखें।

भारत के लिए महत्व (विश्लेषण)

- **कूटनीति:** विज्ञप्ति "ब्रिक्स इंडिया 2026" का उल्लेख करती है और उसकी वेबसाइट की ओर संकेत करती है, यानी बैठक इसी वर्ष के भारतीय ब्रिक्स आयोजनों के क्रम में है। अंतरिक्ष जैसे तकनीकी क्षेत्र में मेज़बानी भारत को एजेंडा तय करने की जगह देती है।
- **सरकारी-निजी समन्वय:** इसरो के साथ IN-SPACe की भागीदारी और स्टार्ट-अप प्रस्तुतियाँ दिखाती हैं कि भारत अपनी निजी अंतरिक्ष क्षमता को भी इस मंच पर रख रहा है।
- **विविध सदस्यता की चुनौती:** सदस्य देशों के हित और तकनीकी स्तर भिन्न हैं। इसलिए ToR जैसी संस्थागत बातें तय होने में समय लगना स्वाभाविक है। यह विश्लेषण है, विज्ञप्ति का कथन नहीं।

परीक्षा उपयोगी बिंदु

प्रारंभिक: स्थान: बेंगलुरु। तिथि: 23-24 जून 2026। मेज़बान: इसरो/अंतरिक्ष विभाग (विदेश मंत्रालय के सहयोग से)। दस देश: ब्राज़ील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका, यूएई। IN-SPACe ने उद्योग-पुस्तिका जारी की।

PCSMANTRA.COM

मुख्य परीक्षा प्रश्न (संभावित), 10 अंक, 150 शब्द: "ब्रिक्स के भीतर अंतरिक्ष सहयोग आपदा प्रबंधन और जलवायु निगरानी में किस प्रकार योगदान दे सकता है? इसकी संस्थागत सीमाओं पर चर्चा कीजिए।"

उत्तर-रूपरेखा:

भूमिका: ब्रिक्स अंतरिक्ष एजेंसी प्रमुखों की बेंगलुरु बैठक (23-24 जून 2026) और विज्ञप्ति में बताए सहयोग-क्षेत्रों का परिचय।

मुख्य भाग

- रिमोट सेंसिंग तारामंडल की आपदा-प्रबंधन व जलवायु-निगरानी में संभावित उपयोगिता (विश्लेषण)।
- तारामंडल समझौते में नए सदस्यों को जोड़ने के संशोधन पर प्रगति।

- प्रस्तावित अंतरिक्ष परिषद के ToR पर विस्तृत चर्चा।
- **सीमाएँ:** विज्ञप्ति में प्रगति और चर्चा का उल्लेख, कोई समय-सीमा नहीं, सदस्यों के भिन्न हित (विश्लेषण)।

निष्कर्ष: सहयोग की दिशा स्पष्ट है, पर संस्थागत ठोसता आगे के निर्णयों पर निर्भर है।

अभ्यास प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा शैली)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. बैठक की मेज़बानी इसरो/अंतरिक्ष विभाग ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से की।
2. विज्ञप्ति में ब्रिक्स अंतरिक्ष परिषद के संदर्भ-शर्तों (ToR) को मंज़ूरी दिए जाने का उल्लेख है।
3. IN-SPACe ने भारतीय अंतरिक्ष उद्योग पर एक पुस्तिका जारी की।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b) – कथन 1 और 3 सही हैं। कथन 2 गलत: विज्ञप्ति में ToR पर "विस्तृत चर्चा" है, मंज़ूरी का उल्लेख नहीं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: विज्ञप्ति के अनुसार रिमोट सेंसिंग तारामंडल समझौते में नए ब्रिक्स सदस्यों को शामिल करने के लिए संशोधन पर प्रगति हुई।

कथन-II: विज्ञप्ति के अनुसार प्रस्तावित ब्रिक्स अंतरिक्ष परिषद के संदर्भ-शर्तों (ToR) पर विस्तार से चर्चा हुई।

कथन-III: विज्ञप्ति में तारामंडल या परिषद के लिए कोई समय-सीमा या धनराशि नहीं दी गई है।

उपर्युक्त कथनों से निम्नलिखित में से कौन-से तार्किक निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं?

1. ब्रिक्स की सदस्यता बढ़ने के बाद अंतरिक्ष सहयोग के ढाँचे को नए सदस्यों के अनुरूप ढालने पर बातचीत आगे बढ़ी है।
2. ब्रिक्स अंतरिक्ष परिषद का गठन हो चुका है।
3. इस विज्ञप्ति से तारामंडल के संचालन की समय-सीमा या लागत नहीं जानी जा सकती।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिए:

PCSMANTRA.COM

(a) केवल 1

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) – निष्कर्ष 2 अनुचित है: विज्ञप्ति में ToR पर चर्चा है, परिषद के गठन का उल्लेख नहीं।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इथियोपिया विज्ञप्ति में उल्लिखित सदस्य-सूची में है।

2. तुर्की विज्ञप्ति में उल्लिखित सदस्य-सूची में है।
3. संयुक्त अरब अमीरात विज्ञप्ति में उल्लिखित सदस्य-सूची में है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c) – सूची: ब्राज़ील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका, यूएई। तुर्की सूची में नहीं है।

स्रोत

- इसरो, “BRICS Heads of Space Agencies 2026 Conclude Meeting in Bengaluru, Advancing Discussions on Remote Sensing Satellite Constellation and Space Sustainability”, 24 जून 2026: https://www.isro.gov.in/brics_heads_of_Space_Agencies_2026.html
- ब्रिक्स इंडिया 2026 (विज्ञप्ति में उल्लिखित): https://www.brics2026.gov.in/

चित्र लेखक द्वारा बनाए गए मौलिक आरेख हैं; किसी बाहरी चित्र का उपयोग नहीं हुआ।

PCSMANTRA.COM